



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—संख्या 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

म. 525] मई फिल्मी, मोमबार, दिसंबर 19, 1994/अग्रहायण 28, 1916
No. 525] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 19, 1994/AGRAHAYANA 28, 1916

ନିଜ ମନ୍ଦିର

(प्रार्थिक कार्य विभाग)

(ई. मा. वा. आर तिनां प्रभाग)

ଓଡିଆ

ਜੰਝ੍ਝ ਦਿੱਲੀ, 19 ਫਿਲਾਅਕਾਰ, 1994

मा.का.नि. 869(अ).—प्रतिभूति सविता (विनियम) गिरा, 1957 में अंग्रेजोंधन, जिन्हे केंद्रीय भरकार प्रतिभूति सविता (विनियम) प्रतिनियम, 1956 (1956 का 42) को भारा 30 को उपाधार(1) द्वारा पदना शक्तियों का प्राप्तीकरण हुआ करने का प्रयत्न करता है, करने के लिये कठिप्रथा नियमों के विवादित मार्गदर्शन

को एतद्वाग प्रकाशित करती है जैसा कि उसमें प्रभावित होने वाले सभी संभावित व्यक्तियों की सूचना के लिये उक्त धारा को उपधारा (3) द्वाग यथावेक्षित है और एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्ता मसीदे पर उस नारीब जब भारत के राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह प्रधिसूचना प्रकाशित की गई है जनता का उपलब्ध करा दी गई हो, के पेतालोंमें दिन की अवधि को गमानि पर ग्रथवा उसके बाद विचार किया जायेगा।

यदि उक्त समयावधि के समाप्त होने से पहले संबंध मसादे के संबंध में किसी भी व्यक्ति में कोई ग्रापनि या सूचाव प्राप्त होता है तो उस पर केन्द्र सरकार द्वाग विचार किया जायेगा।

उक्त मसादे नियमों के संबंध में यदि कोई व्यक्ति आपनि ग्रथवा मुझाव प्रस्तुत करना चाहता है तो वह इन्हे केन्द्र सरकार द्वाग विचार करने के लिये यथा-निर्दिष्ट अवधि के भोग्य नारी, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नारी व्यावरण, नई दिल्ली-110001 का भेज सकता है।

मसीदा नियम

- (1) ये नियम प्राप्ति मविदा (विनियमन) सशोधन नियम, 1994 कहे जायें।
(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में उनके अन्त में रूप से प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।
- प्राप्ति मविदा (विनियमन) नियम, 1957 में, नियम 19 के उप-नियम (6) के बाद निम्नलिखित को शामिल किया जाये, यथा—

“(6क) सूचीबद्ध किये जाने के संबंध में इन नियमों द्वाग निर्धारित सभी अवेक्षायें जैसीं भी वे यव तक हैं, समार के अवधा किसी गांध के विधान-मण्डल के अधिनियम द्वाग गठित निगमित निकाय पर भी लागू होंगे।”

[फा.म. 1/33/एस.ई./92]

पी.जे नायक, संयुक्त मन्त्रि

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(External Commercial Borrowings and Investment Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th December, 1994

G.S.R. 869(E).—The following draft of certain rules further to amend the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957 which the Central Government propose to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), is hereby published as required by sub-section (3) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty-five days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the said period will be considered by the Central Government.

Any person desiring to make any objection or suggestion in respect of said draft rules may forward the same for consideration by the Central Government within the period so specified above to the Secretary, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi-110001

DRAFT RULES

- (1) These rules may be called the Securities Contracts (Regulation) Amendment Rules, 1994.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, after sub-rule (6) of Rule 19, the following shall be inserted namely:—
 - (6) All the requirements with respect to listing prescribed by these rules shall so far as they may be, also apply to a body corporate constituted by an Act of Parliament or any State legislature."

[F No. 1/33/SE/92]

P. J. NAYAK, Jt. Secy.

